



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 12]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 14, 2011/पौष 24, 1932

No. 12]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 14, 2011/PAUSA 24, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 2011

सं. 22/2009-2014 (आर ई-2010)

विषय : खराब/अनुपयुक्त माल के और/अथवा नामे किए गए शुल्क के पुनः आकलन और/अथवा अन्य किसी कारण की वजह से पुनर्निर्यात के लिए री-क्रेडिट प्रमाण-पत्र ।

फा. सं. 01/91/180/833/एम 11/पीसी-3.—विदेश व्यापार नीति, 2009-2014 के पैराग्राफ 2.4 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रक्रिया-पुस्तक, (खंड-1) का पैरा 3.11.6 नीचे वर्णित तरीके से संशोधित किया जा रहा है :—

प्रक्रिया-पुस्तक खंड-1 के पैरा 3.11.6 में नई स्क्रिप को जारी करने की प्रक्रिया, खराब/अनुपयुक्त माल के पुनर्निर्यात के मद्दे सीमा-शुल्क विभाग द्वारा री-क्रेडिट प्रमाण-पत्र जारी किया गया है, निहित है । निर्यातकों को पहले सीमा-शुल्क विभाग से री-क्रेडिट प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होता था और फिर विदेश व्यापार महानिदेशालय के पास नई स्क्रिप के लिए आवेदन करना होता था । नई स्क्रिप जारी करने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय को आवेदन करने की आवश्यकता को समाप्त करते हुए प्रक्रिया को सरल किया जा रहा है । तदनुसार, प्रक्रिया-पुस्तक खंड-1 के पैरा 3.11.6 को तत्काल प्रभाव से निम्नानुसार, प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“पैरा 3.11.6 खराब/अनुपयुक्त माल के और/अथवा नामे किए गए शुल्क के पुनः आकलन और/अथवा अन्य किसी कारण की वजह से पुनर्निर्यात के लिए री-क्रेडिट प्रमाण-पत्र ।

135 GI/2011

नामे डाले गए शुल्क के पुनः आकलन या खराब अथवा अनुपयुक्त माल के पुनर्निर्यात के मामले में, सीमा-शुल्क विभाग ऐसे माल का आयात करते समय प्रयोग की गई स्क्रिप, पुनर्निर्यातित माल के आयात की तिथि और नामे डाली गई राशि के विवरण/पुनः आकलन ब्यौरों सहित री-क्रेडिट प्रमाण-पत्र जारी करेगा । सीमा-शुल्क विभाग री-क्रेडिट प्रमाण-पत्र जारी करने की तिथि से छः महीने की अवधि के अंदर 98% की सीमा तक इस री-क्रेडिट राशि के प्रयोग को अनुमत करेगा । विदेश व्यापार महानिदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालयों के द्वारा ऐसे मामलों में नई स्क्रिप जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं रहेगी ।”

इस सार्वजनिक सूचना का प्रभाव :

- री-क्रेडिट प्रमाण-पत्र के प्रयोग की प्रक्रिया को सरल बना दिया गया है;
- शुल्क मामलों के पुनः आकलन के मामलों को शामिल करने और अन्य किसी कारण की वजह से पुनर्निर्यात के लिए कार्यक्षेत्र को बढ़ा दिया गया है;
- री-क्रेडिट प्रमाण-पत्र की वैधता 6 महीने होगी ।

अनूप के. पुजारी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 14th January, 2011

No. 22/2009-2014 (RE-2010)

Sub. : Re-credit Certificate for Re-export of defective/unfit goods and/or Re-assessment of Debited Duty and/or re-exports on account of any other reason.

F. No. 01/91/180/833/AM 11/PC-3.—In exercise of the powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2009-2014, the Para 3.11.6 of the Handbook of Procedures, vol. 1 (HBPv1) is being modified as described below :—

Paragraph 3.11.6 of HBPv1 contains the procedure for issuance of fresh scrip in cases where Re-credit Certificate is issued by Customs on account of re-export of defective/unfit goods. Exporters had to first seek the re-credit certificate from Customs and then come to DGFT for issue of fresh scrip. The procedure is being simplified by eliminating the requirement to come to DGFT for issue of fresh scrip. Accordingly, Para 3.11.6 of HBPv1 will be replaced with immediate effect as under :—

“Para 3.11.6 : Re-credit Certificate of Re-export of defective/unfit goods and/or Re-assessment of Debited Duty and/or re-exports on account of any other reason.

In the case of re-export of defective or unfit goods or re-assessment of debited duty, Customs issues a

Re-credit Certificate containing particulars of scrip used, date of import of re-exported goods and amount debited while importing such goods/re-assessment details. Customs shall permit use of this Re-credit Amount to the extent of 98%, within a period of 6 months from the date of issuance of re-credit certificate. There shall be no need for issue of fresh scrip in such cases by DGFT regional offices.”

Effect of this Public Notice :

- The procedure for utilization of re-credit certificate is simplified;
- The scope is expanded to cover cases of re-assessment of duty cases and re-export for any other reason;
- The validity of Re-credit Certificate shall be 6 months.

ANUP K. PUJARI, Director General of
Foreign Trade